Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding closure of forests of Govalpara and Bilasipara to avoid destruction of residential houses by elephants

श्री एम. बदरुद्दीन अजमल (धुबरी): सभापति महोदय, मेरे क्षेत्र गोवालपारा ईस्ट-वेस्ट और उसके बाद बिलासीपारा ईस्ट-वेस्ट में जंगलों से हाथी उतर आते हैं और वे लोगों के घरों को तोड़ देते हैं । लोगों के घर पूरी तरह से उजड़ जाते हैं और हाथी उनकी खेती भी बर्बाद कर देते हैं ।

यह समस्या हर साल होती है और लोगों को न खेती बर्बाद होने का कोई मुआवजा मिलता है और न ही घर बर्बाद होने का मुआवजा मिलता है । यह बहुत गंभीर विषय है । अभी हाथी जंगलों से उतरने शुरू हो गए हैं और पूरी सर्दी पूरे असम में जंगलों से उतर आएंगे । महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि तुरंत फारेस्ट्स को बंद किया जाए और लोगों को नुकसान का मुआवजा दिया जाए ।

[جناب بدرالدین اجمل (دھبری): جناب چیرمین صاحب، میرے حلقہ گوالپارا ایسٹ۔ویسٹ اور اس کے بعد بِلاسی پارا ایسٹ۔ویسٹ میں جنگلوں سے ہاتھی اُتر جاتے ہیں اور وہ لوگوں کے گھروں کو توڑ دیتے ہیں۔ لوگوں کے گھر پوری طرح سے اُجڑ جاتے ہیں اور ہاتھی ان کی کھیتی بھی برباد کر دیتے ہیں۔

یہ مسئلہ ہر سال پیش آتا ہے، اور لوگوں کو نہ کھیتی برباد ہونے کا اور نہ گھر برباد ہونے کا کوئی معاوضہ ملتا ہے۔ یہ بہت سنگین مسئلہ ہے۔ ابھی ہاتھی جنگلوں سے اُترنے شروع ہو گئے ہیں اور پوری سردی پورے آسام میں جنگلوں سے اُتر جائیں گے۔

جناب، میں آپ کے ذریعہ سے سرکار سے کہنا چاہتا ہوں کہ فوراً فوریسٹس کو بند کیا جائے اور لوگوں کو نقصان کا معاوضہ دیا جائے۔]

माननीय सभापति: जिन माननीय सदस्यों के नाम लिस्ट में नहीं आ पाए थे, उन्हें अब बोलने का मौका मिलेगा । कृपया सभी एक मिनट के समय में अपनी बात कहें ।

… (व्यवधान)

माननीय सभापति : जो माननीय सदस्य पहले कई बार बोल चुके हैं, वे कृपया शांत बैठें ।

… (व्यवधान)